प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय

ई–8/380 गुलमोहर कालोनी, भोपाल

0755–4232921 मो.– 9425376197, 7773011968

मूल्यों की धारणा से ही बनेगा बेहतर समाज – राजयोगी बी. के. करूणा जी

ब्रम्हाकुमारीज के राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन का आयोजन

देशभर से अनेक वरिष्ठ पत्रकार हुए शामिल

भोपाल 9 सितंबर 2018। जब तक मानव जीवन में मूल्य नहीं होंगे तब तक बेहतर समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। क्योंकि आज मानव जीवन मूल्यों की कमी है। जिसकी वजह यह है कि मूल्य आज स्कूल–कॉलेजों में नहीं सिखाए जाते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में गुरूकुलों में जो शिक्षा दी जाती थी, वह आज नहीं मिलती है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविदृयालय ने दुनिया को सिखाने के लिए मूल्यों की शिक्षा शुरू की है। सब मिलकर जीवन में मूल्यों को स्थान दें तो इस धरा पर फिर से राम–राज्य आ जाएगा। आज के समय में यह कार्य मीडिया के सहयोग के बिना संभव नहीं है। यह विचार ब्रह्माकुमारीज के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से पधारे संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं मीडिया प्रमुख राजयोगी ब्रह्माकुमार करूणा भाई ने आज सेडमैप सभागार में आयोजित राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन में बतौर अध्यक्ष व्यक्त किए। मीडिया सम्मलेन में तीन सत्रों में वक्ताओं ने अपने–अपने विचार रखे।

मीडिया सम्मेलन के मुख्य अतिथि मप्र सरकार के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि बेहतर समाज का निर्माण समाज के निर्माण समय से बहस का विषय रहा है। अभी भी यह चर्चा हो रही है और आगे भी होती रहेगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा यह आयोजन इसलिए किया जा रहा है क्योंकि उन्हें बेहतर समाज के निर्माण की आशा की किरण मीडिया में ही दिखी। समाज को मीडिया ही बेहतर बना सकता है। समाज ने इसकी जिम्मेदारी मीडिया को सौंपी है, लेकिन मीडिया नेताओं को सुधारने में लगी है और मीडिया ने नेताओं को ही समाज समझ रखा है। मंत्री सारंग ने आगे कहा कि समाज व्यक्तियों से मिलकर बनता है और इस देश में विभिन्न प्रकार के निर्माण की बात होती है, परंतु व्यक्ति के निर्माण की बात नहीं होती है। यदि हमें समाज को बेहतर बनाना है तो व्यक्ति का निर्माण करना होगा अर्थात उसे गुण और मूल्यों से संपन्न करना होगा। समाज की मौजूदा व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि यदि किसी के अधिकार का संरक्षण नहीं हो रहा तो इसका मतलब है कि कोई अपने कर्तव्य का पालन ठीक ढंग से नहीं कर रहा है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज को इस आयोजन हेतु बधाई दी और कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहना चाहिए।

मीडिया सम्मेलन में दिल्ली से पधारे वरिष्ठ टीवी पत्रकार एनके सिंह ने कहा कि लोग अपना मूल काम भूल गए हैं। हर वर्ग को समाज उत्थान के काम सौंपे हैं, मीडिया का काम सिर्फ प्रजातंत्र को मजबूत करना नहीं है। कई बार व्यक्तिगत चेतना एवं सामूहित चेतना इतनी शैशव अवस्था में नजर आती हैं कि गलत प्रतिमान बनने लगते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से मूल्यों को बदला गया है, उससे भारत पर खतरा बढ़ गया है। मूल्य दो तरह के होते हैं आंतरिक मूल्य और समय के साथ बदलने वाले मूल्य। हमें अपने मूल्य गुण जैसे प्रेम, शांति, आनंद, सहयोग आदि को समय के साथ बरकरार रखना ही ईश्वर की इबादत है। उन्होंने कहा कि 30 साल पहले भारत की जीडीपी 30 वें नंबर पर थी, आज छठवें नंबर हैं। लेकिन मानव विकास सूचकांक 30 साल बाद भी 135 वें नंबर पर है। उन्होंने कहा कि मीडिया का सबसे बड़ा इश्यू आर्थिक विषमता होना चाहिए। मीडिया को न्यूज केरेक्टर बदलना होगा, मीडिया पॉलिटिकल रिपोर्टिंग कम करे, क्योंकि इससे समाज सुधार नहीं हो सकता है। आने वाले समय में मीडिया ही देश को बचा सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में 3.30 करोड़ कानून हैं फिर भी अपराध बढ़ते जा रहे हैं। कानून अपराधियों का प्रतिकार नहीं कर पा रहा है। श्री सिंह ने आगे कहा कि मूल्य मां की गोद से निकलते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा एक ही मूल्य है सत्य को कभी मत छोड़ना।

वरिष्ठ पत्रकार व मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक प्रोफेसर कमल दीक्षित ने कहा कि समाज निर्माण में पत्रकार की कारगार भूमिका हो सकती है। वे अंतरमन शक्ति का विकास करें। इस समय पत्रकार ही मार्गदर्शक बन सकता है।

वरिष्ठ पत्रकार दीपक तिवारी ने कहा कि मीडिया टीआरपी की दौड़ में है। आज एक प्रतिशत धनपशुओं के लिए 90 फीसदी मीडिया काम कर रहा है। आज डेटा का जमाना है। मप्र माध्यम के ओएसडी पुष्पेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि जागरूकता ने मीडिया की विश्वसनीयता को तहत–नहस कर दिया है। आज मीडिया को बदलने की बजाए समाज को बदलने की जरूरत है। दोनों मिलकर काम करेंगे तो बेहतर समाज बनेगा। वरिष्ठ पत्रकार शिवअनुराग पटेरिया ने कहा कि मीडिया को समाज ने स्वीकार करना बंद कर दिया है। उन्होंने समाचार पत्रों के संदर्भ में कहा कि आज छोटे लोग बड़े लोगों की तुलना में ज्यादा ईमानदार हैं। लोगों का मूर्ख न समझें, लोग समझदार हो गए हैं। सोशल मीडिया एक नादान बालक की तरह है, जिससे किसी का बचना मुश्किल है।

ब्रम्हाकुमारीज सेवाकेन्द्र प्रभारी बी. के. डॉ. रीना बहन ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। उन्होंने सम्मेलन में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही सभी पत्रकारों को कमेन्ट्री के माध्यम से राजयोग की अनुभूति कराई।

मीडिया सम्मलेन के समापन सत्र में भोपाल सांसद आलोक संजर ने कहा कि समाज में चाहे मीडिया, राजनीतिक, प्रशासनिक सबकी अपनी अपनी भूमिका है। जीवन में अच्छी एवं बुरी घटनाएं घटीं, जो अच्छा हुआ वह भूल जाते हैं, जो बुरा है वह याद रह जाता है। समाज कुछ जागरूक हुआ है। वातारण ही मनुष्य का निर्माण करता है। समापन सत्र में वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी, महेश दीक्षित, विनोद नागर, कात्यायिनी चतुर्वेदी, देवेन्द्र जोशी, सतीश एलिया, राधा बल्लभ, ममता यादव आदि ने अपने विचार रखे। साथ ही दिल्ली से पधारे ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बी. के. सुशांत ने प्रेरणादायी वक्तव्य दिए। सम्मेलन में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में संपादक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। सत्र के दौरान अतिथियों ने श्रोताओं के सवालों के जवाब दिए। शुभारंभ सत्र में कुमारी श्री एवं समापन सत्र में कुमारी डॉली ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। साथ ही कार्यक्रम के दौरान बी.के. ऋचा ने म्यूजिकल एक्सरसाइज कराई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को ईश्वरीय सौगात प्रदान की गई। समापन सत्र का कुशल संचालन वरिष्ठ पत्रकार अनिल सौमित्र ने किया।

(बी. के. रावेन्द्र)
मीडिया संयोजक
ब्रह्माकुमारीज, भोपाल
मो.–7773011968